VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

# ABHYAAS MAINS

## सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-III)/GENERAL STUDIES (Paper-III) (2219)

निर्धारित समय: तीन घंटे
*Time Allowed:* ***Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
*Maximum Marks:* ***250***

### सामान्य अनुदेश

*इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 55+1 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।*

*रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।*

*पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।*

### General Instructions

*This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 55+1 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.*

*For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.*

*On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.*

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 579950

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Mohan Ogn

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

Hindi

# सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-III)
# GENERAL STUDIES (Paper III)

तारीख
Date

28/8/202

केंद्र
Centre

M.N. Delhi

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

28/8/22

VISIONIAS

| | महत्वपूर्ण अनुदेश | Important Instructions |
|---|---|---|
| | उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है। | **Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.** |
| 1 | (क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।<br>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो। | (a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.<br>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet |
| 2 | अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो। | Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer. |
| 3 | परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें। | Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner. |
| 4 | उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है। | Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated. |
| 5 | उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है। | Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc. |
| 6 | प्रवेश-पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें। | Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers. |
| 7 | प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। | Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated. |
| 8 | यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है। | If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued. |

| कार्यालय के प्रयोग हेतु<br>For Official Use | कार्यालय के प्रयोग हेतु<br>For Official Use |
|---|---|
| परीक्षक के हस्ताक्षर<br>Signature of Examiner(s) | |

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

| प्रश्न सं.<br>Q. No. | अंक<br>Marks | | प्रश्न सं.<br>Q. No. | अंक<br>Marks | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | | 11 | | |
| 2 | | | 12 | | |
| 3 | | | 13 | | |
| 4 | | | 14 | | |
| 5 | | | 15 | | |
| 6 | | | 16 | | |
| 7 | | | 17 | | |
| 8 | | | 18 | | |
| 9 | | | 19 | | |
| 10 | | | 20 | | |
| उप-योग (A)<br>Subtotal (A) | | | उप-योग (B)<br>Subtotal (B) | | |
| सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B) | | | | | |

VISION IAS

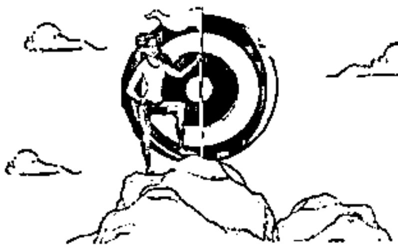

**VISIONIAS**
INSPIRING INNOVATION

**ABHYAAS MAINS**

# सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-III)/GENERAL STUDIES (Paper-III) (2219)

| | |
|---|---|
| निर्धारित समय: तीन घंटे<br>Time Allowed: **Three Hours** | अधिकतम अंक: **250**<br>Maximum Marks: **250** |

## प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

*कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:*

*कुल बीस प्रश्न दिए गए हैं जो हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।*

*सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

*प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।*

*प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।*

***प्रश्न संख्या 1 से 10 तक का उत्तर 150 शब्दों में तथा प्रश्न संख्या 11 से 20 तक का उत्तर 250 शब्दों में दीजिए।***

*प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।*

*प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ भाग को पूर्णतः काट दीजिए।*

## QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

***Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.***

*There are TWENTY questions printed both in HINDI and in ENGLISH.*

*All questions are compulsory.*

*The number of marks carried by a question/part is indicated against it.*

*Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.*

***Answers to Questions No. 1 to 10 should be in 150 words, whereas answers to Questions No. 11 to 20 should be in 250 words.***

*Keep the word limit indicated in the questions in mind.*

*Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.*

# EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

**Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:**

1.

2.

3.

4.

5.

6.

VISION IAS

**All the Best**

1. राजकोषीय नीति आय असमानता को कम करने के साथ-साथ सबसे निर्धन और अभावग्रस्त लोगों को देश की विकास यात्रा का हिस्सा बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण साधन हो सकती है। भारत के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Fiscal policy can be a key tool to reduce income inequality as well as make the poorest and the downtrodden a part of the country's growth story. Discuss in the context of India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सरकार के समस्त आय, ~~तथा~~ व्यय तथा ऋण आदि के निर्धारण की नीति राजकोषीय नीति कहलाती है।

राजकोषीय नीति वृहद तथा दीर्घकालिक ~~[illegible]~~ स्वास्थ्य अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

**निर्धन व अभाव ग्रस्त लोगों के लिए नीति का महत्व**

(1) प्रगतिगत व्यय में वृद्धि कर आय वृद्धि की संभावना निर्धारित करना

(2) क्षमता निर्माण, पूंजी निर्माण व तकनीकी नवाचार जैसे स्थायी कार्यों पर खर्च का विभाजन

(3) अर्थव्यवस्था के वास्तविक हालात को बयान करने के कारण लक्षित व्यय की क्षमता पैदा करती है

(4) अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रकों की ~~[illegible]~~ आधारभूत के सन्दर्भ में महत्व

(5) निर्धन व अशिक्षित लोगों में रोजगार, मुद्रास्फीति, गरीबी जैसे आंकड़ों का सही उपयोग करके उन्हें लाभ पहुंचाया सकती है

(6) अर्थव्यवस्था की सही सेहत, बेरोजगार, भुखमरी आदि का विश्लेषण का निर्धन वर्ग की सहायता की जाने में सहायक।

राजकोषीय नीति रोजगार रूप पर बल देती है जिससे अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक बदलाव आते है जिसका लाभ निर्धन लोगों को मिलता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण करना भूमि सुधार सुनिश्चित करने के साथ-साथ भारतीय न्यायपालिका पर बोझ को कम करने में भी काफी सहायक होगा। विस्तारपूर्वक समझाइए। साथ ही, इस संदर्भ में किए गए उपायों का भी उल्लेख कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Digitizing land records will go a long way in ensuring land reforms as well as lessening the burden on the Indian Judiciary. Elaborate. Also, state the measures taken in this context. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भूमि अभिलेखों को डिजिटल प्रारूप में अंकित करना, संरक्षित करना, प्रसंस्करित करना तथा पठन योग्य बनाने की प्रक्रिया भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण कहलाता है।

इसके लाभ -

लाभ
- भूमि अभिलेखों की सही जानकारी सुलभ होगी
- G2C व G2B सामंजस्यपूर्ण
- न्यायिक प्रक्रिया में सरलता
- ईज ऑफ लाइफ को बढ़ावा
- भूमि का मॉडलीकरण किया जा सकेगा
- भूमि सुधार करना सरल
- भूमि में निवेश को सरल बनाना
- व्यापारिक निर्माण, हस्तांतरण में सरलता

न्यायिक प्रणाली पर बोझ कम करना
1) भूमि स्वामित्व का निर्धारण सरल
2) पैमाईश, मानचित्रीकरण तथा विवाद को दूर करना
3) शीघ्र पहुँच सुनिश्चित किया करना
4) वृहद डेटाबेस गवाही के रूप में उपयोगी
5) सटीक निर्णय अपील की प्रक्रिया को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगे।

सरकारी उपाय

① भूमि डिजिटलीकरण अभियान का संचालन
② ई-भूमि जैसे पोर्टल द्वारा रिकॉर्ड ऑनलाइन
③ प्रशिक्षणशालाएँ तथा कार्यक्रम आयोजित करना
④ विभिन्न राज्यों द्वारा मिशन मोड पर कार्य।

चुनौतियां

1. भूमि अभिलेखों का अवैज्ञानिक संधारण
2. स्वामित्व सम्बन्धी विवाद
3. उच्च-संवेदन तकनीक व पुराने विधान में भिन्नता से मुकदमेबाजी

निष्कर्ष :- सुशासन की स्थापना व कृषि आय को दुगना करने में डिजिटलीकरण सहायक है इसलिए विभिन्न हितधारकों को तत्परता से अपनाना चाहिए



उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. ऐसा भी कहा जाता है कि अधिकांशतः नॉन-मेरिट सब्सिडी के लिए निधि (फंड) उपलब्ध कराने वाली प्रतिस्पर्धी राजनीति, भारत में कुछ राज्यों को गंभीर राजकोषीय संकट के कगार पर धकेल रही है। इस संदर्भ में, भारत में सब्सिडी व्यवस्था को युक्तिसंगत बनाने की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
It has been pointed out that competitive politics to fund mostly non-merit subsidies is pushing a few states in India to the brink of a deep fiscal crisis. In this context, discuss the need to rationalise the subsidy regime in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हाल में सर्वोच्च न्यायालय ने मुफ्त की योजनाओं (फ्रीबिज) पर नयी बहस छेड़ी है।

सरकार नागरिकों को विभिन्न प्रकार की सब्सिडी देती है,

मेरिट सब्सिडी
लक्षित वर्ग, गुण-अवगुण, मानक पूरा करने पर सहायिकी
जैसे PDS, उज्ज्वला

नॉन मेरिट सहायिकी
सभी व्यक्तियों को वितरण योग्यता के निर्धारण के बिना
जैसे बिजली बिल या किसान कर्ज माफ करना

नॉन मेरिट सब्सिडी को प्रतिस्पर्धी राजनीति ने बढ़ावा दिया है -
(1) राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव पूर्व वादे करना

(2) लोकप्रिय राजनीति व सत्ता प्राप्ति के लिए बड़ी घोषणा।
3. रेवड़ी कल्चर अपनाना और

| | | |
|---|---|---|
| तमिलनाडु, मिक्सी, टीवी, ग्राइंडर | दिल्ली, बिजली, पानी मुफ्त | राजस्थान, बिजली बिल मुफ्त |

4. सत्ता प्राप्ति का सरल रास्ता।

प्रभाव →

- दीर्घकालीन उपाय नहीं
- आय सृजन व क्षमता निर्माण नहीं
- राजस्व व्यय करने से राजकोष पर दुष्प्रभाव
- राजकोष पर विपरीत प्रभाव
- जीडीपी की अनुपात से ऋण में वृद्धि
- विकास परक योजनाओं पर खर्च में कमी
- कर आधार में कमी आने से आय में कमी।

युक्तिसंगत बनाने के उपाय →

(1) लक्षित सहायिकी प्रदान करना
(2) चुनाव पूर्व ऐसी घोषणाएं रिश्वत समझी जानी चाहिए
(3) निष्पादन अंकेक्षण करना जरूरी
(4) क्षमता निर्माण पर खर्च
(5) चुनाव सुधारों को लागू करना
(6) राजनीतिक दलों की आचार संहिता
(7) कठोर विनियमन कर सुधार लाना।



उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. सूक्ष्म-सिंचाई में कृषि को एक लाभदायक और टिकाऊ उद्यम में परिवर्तित करने की वृहद् क्षमता है। दिए गए कथन की प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना के संदर्भ में विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Micro-irrigation has tremendous potential in transforming farming into a profitable and sustainable venture. Discuss the given statement in the context of Pradhan Mantri Krishi Sinchai Yojana. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कृषि क्षेत्र में आधी से अधिक जनसंख्या कार्यरत है लेकिन जीडीपी में केवल 18% योगदान है कृषि आय निम्न स्तर पर है। किसानों की आय दुगुनी करने के लिए सूक्ष्म सिंचाई लाभदायक है

सूक्ष्म सिंचाई के लाभ

- सीमित जल से अधिक उत्पादकता
- मृदा क्षय में कमी
- फर्टिगेशन अपनाकर खाद का समुचित उपयोग
- पर्यावरणीय संधारणीय
- न्यूनतम निवेश से अधिक उत्पादन

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PKSY) -

लघु सिंचाई को बढ़ावा देने के लिए किसानों को विभिन्न सहायता प्रदान करना।

- सहायिकी - ड्रिप-ड्रिप, स्प्रिंकलर सिंचाई संयन्त्र स्थापना हेतु।
- सौर ऊर्जा उपयुक्त सौर पंप चलाने के लिए सहाय
- जागरूकता
- कृषि बीमा द्वारा प्राकृतिक संकटों से सुरक्षा
- वाटरशेड प्रबंधन तथा वर्षा जल संरक्षण पर बल
- सूक्ष्म सिंचाई की आधुनिक विधियों का प्रचलन सुनिश्चित करना

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना

कृषि में सतत निवेश तथा अधिकतम उत्पादन को सुनिश्चित करने में भूमिका निभा रही है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. भारत के विशाल संसाधनों और तकनीकी विशेषज्ञता को देखते हुए, यह जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से निपटने में प्रशांत महासागर के लघु विकासशील द्वीपीय देशों (PSIDS) की सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। विश्लेषण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Given its vast resources and technical expertise, India can play a key role in assisting the Pacific Small Island Developing States (PSIDS) in dealing with the impact of climate change. Analyse. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जलवायु परिवर्तन वैश्विक समस्या के रूप सामने आया है। इसका सर्वाधिक दुष्प्रभाव द्वीपीय देशों पर पड़ा है तथा भविष्य में पड़ने की संभावना है।

भारत के पास विशाल संसाधन तथा तकनीकी विशेषज्ञता है जो जलवायु परिवर्तन से लड़ने में विश्व को नेतृत्व प्रदान कर सकती है।

प्रशान्त महासागरीय द्वीपीय देशों में जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने में भारत की भूमिका-)

(a) परम्परागत भारतीय पद्धतियों व ज्ञान का उपयोग करना - पंचामृत, प्राकृतिक खेती अपनाना आदि।

② पवन व सौर ऊर्जा जैसे संधारणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करने की नीति का प्रसार करना। तथा तकनीकी सहायता प्रदान करना

③ भारत वित्तीय सहायता प्रदान कर वहां सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में मदद कर सकता है

④ प्राकृतिक संसाधनों के दोहन में भूमिका निभा सकता है

⑤ अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रतिनिधिक आवाज बन सकता है

⑥ पर्यावरणीय जागरूकता, आपदा प्रबंधन, प्रशिक्षण, आदि द्वारा नागरिकों को सशक्त करना।

भारत के आर्थिक स्तर तथा सीमित प्रभाव होने के बावजूद भारत अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में पहलकारी भूमिका निभा रहा है जिसका लाभ इन विकासशील द्वीपीय देशों को भी मिलेगा।



उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

6. हालिया "पंचायती राज मंत्रालय की आपदा प्रबंधन योजना (DMP-MoPR)" का उद्देश्य जमीनी स्तर पर आपदा प्रत्यास्थता विकसित करना है। इस संदर्भ में, इस योजना के निर्माण के लिए उत्तरदायी तर्क की विवेचना कीजिए और इसके प्रमुख घटकों पर प्रकाश डालिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
The recent "Disaster Management Plan of Ministry of Panchayati Raj (DMP–MoPR)" aims to develop disaster resilience at the grassroots level. In this context, discuss the rationale behind the formulation of the Plan and highlight its key components. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत में विभिन्न आपदाएं देखी गई हैं भारत का 15% भाग बाढ़, 40% भाग सूखा, 2% भाग भूस्खलन से प्रभावित है।

बेहतर आपदा प्रबंधन के लिए सहभागी प्रबंधन व सामुदायिक प्रबंधन जरूरी है इसी को ध्यान में रखते हुए पंचायती राज मंत्रालय ने पहल की है।

आवश्यकता ->

1) प्रथम प्रतिक्रिया कर्ता के रूप में ग्राम पंचायत की महत्ता है।

2) स्थानीय परिस्थितियों से सर्वाधिक परिचित होने के कारण प्रत्यास्थता अधिक।

3) आपदा पूर्व तैयारी ~~[illegible]~~ में भूमिका

4) परम्परागत व आधुनिक प्रबंधन पद्धतियों का समन्वय स्थापित करने में।

(3) उपलब्ध संसाधनों के अधिकतम उपयोग की क्षमता विकसित करेगे

6) क्षमता निर्माण, मानचित्रण, बचाव राहत का प्रशिक्षण, पुनर्वास उपलब्ध तथा पुनर्निर्माण में सहायक आदि।

7) सूचना तंत्र के रूप में स्थानीय तंत्र।

आपदा प्रबंधन योजना के प्रमुख घटक

→ क्षमता निर्माण करना
- प्रशिक्षण
- जागरूकता
- समन्वय

→ योजना तैयार करना
- आपदा आकलन
- जोखिम मूल्यांकन
- संसाधन प्रबंधन

→ आपदा के प्रबंधन में भूमिका
- आपदा पूर्व
- आपदा के समय
- आपदा पश्चात

→ स्थानीय वित्त का प्रबंधन

→ समन्वय, सहयोग तथा व्यापक दृष्टिकोण

पंचायतें व स्थानीय स्तर पर आपदा से निपटने के लिए उन्हें वित्तीय व तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जाना चाहिए

7. राज्य एवं गैर-राज्य अभिकर्ताओं द्वारा उभरती एवं विघटनकारी प्रौद्योगिकियों (EDT) के उपयोग से उत्पन्न आंतरिक सुरक्षा संबंधी निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Discuss the internal security implications emanating from the use of Emerging And Disruptive Technologies (EDT) by state and non-state actors. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत की आंतरिक सुरक्षा को उभरती प्रौद्योगिकी ने गंभीर चुनौती दी है

प्रमुख उभरती विघटनकारी प्रौद्योगिकी

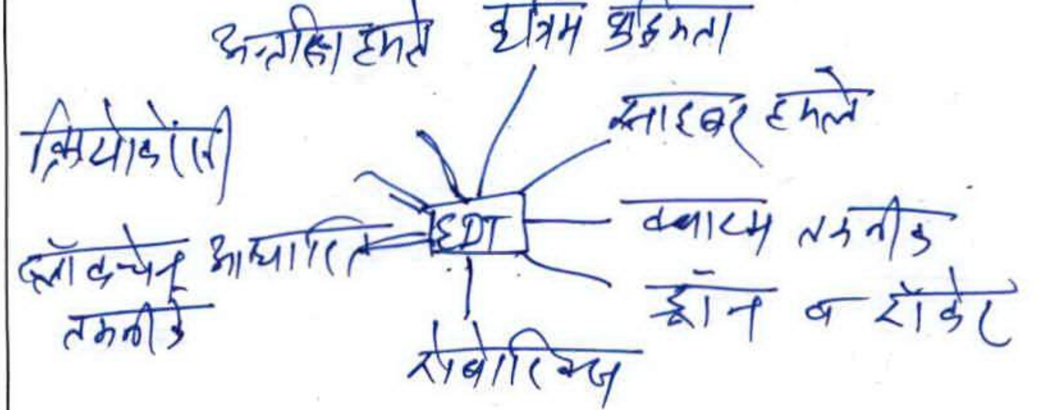


आन्तरिक सुरक्षा के लिए चुनौतियां →

1) ड्रोन तकनीक द्वारा सीमापार लोगों के हथियार, खुफिया जानकारी, मादक पदार्थों आदि की तस्करी

2) साइबर हमले - जैसे अवसंरचना, संचार आदि को बाधित करने वाले।

3) महत्वपूर्ण अवसंरचनाओं जैसे परमाणु, अंतरिक्ष, संचार, चिकित्सा, बिजली पर हमले

4.) क्रिप्टोकरेंसी द्वारा ब्लैक मनी भारत में भेजना। धन प्रेषण, बाहरी कारोबार तथा हैवाला के रूप में उपयोग करना

5) सीमा प्रबंधन में घुसपैठ करना।

6) सीमित व अल्प संख्यकों को बहका देना

7) फेक न्यूज व एजेंडा फैलाकर शांति भंग करना

8) उपद्रवी व विद्रोही गुटों के साथ सम्पर्क, लेन-देन में सहायक।

राज्य की आंतरिक सुरक्षा के लिये तथा संप्रभुता की रक्षा के लिए इन प्रौद्योगिकी के अन्तर्राष्ट्रीय विनियमन, राष्ट्रीय कानूनी उपाय तथा जन जागरूकता की रणनीति अपनानी चाहिए।



उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

8. अपने रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने में भारत द्वारा सामना की जाने वाली बाधाओं की पहचान कीजिए। साथ ही, इस संबंध में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर भी चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Identify the impediments faced by India in boosting its defence exports. Also, discuss the steps taken by the government in this regard. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत ने स्वदेशी रक्षा उत्पादों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया है। इसके लिए विभिन्न कदम उठाये है ताकि आत्म-निर्भर भारत बनाया जा सके।

आवश्यकता →
1) विदेशी पूंजी अर्जन
2. रोजगार निर्माण
3. रक्षा सहयोगी बनाना
4. व्यापार संतुलन अनुकूल बनाना

बाधायें →
1) कच्चे माल की सीमित उपलब्धता, आयात पर निर्भर
2) बौद्धिक संपदा का मुद्दा - भारत 80% देशी उत्पाद बना रहा किन्तु बौद्धिक अधिकार नहीं है
3) तकनीकी कुशलता में कमी
4. पूंजी निवेश की समस्या
5) बड़े हथियार निर्यातकों के साथ प्रतिस्पर्धा

6.) हथियार निर्यात बाजार में पैठ की कमी
7) अवसंरचना व विनियमन सम्बन्धी बाधाएँ
8) PLI जैसी योजनाओं की सीमित सफलता

भारत सरकार के कदम →

① रक्षा औद्योगिक गलियारे की स्थापना तमिलनाडु व उत्तर प्रदेश में।
② रक्षा उत्पादन व निर्यात संवर्द्धन योजना 2020 लागू करना
③ स्वदेशीकरण की सकारात्मक सूची बनाना जिसमें 40% उत्पाद MSME से खरीदना।
④ सैन्य सुधार कार्य
⑤ व्यापारिक साझेदारों के साथ सहयोग।
⑥ हथियार आयात के साथ-साथ तकनीकी आयात पर बल
⑦ शोध व अनुसंधान हेतु कार्यक्रम
⑧ निजी क्षेत्र की प्रभावी भूमिका होना।

रक्षा निर्यात की चुनौतियों से निपटने के लिए पर्याप्त रक्षोपाय अपनाकर निर्यात बढ़ाया जाना चाहिए।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

9. अंतरिक्ष मलबे से जुड़े विविध मुद्दों पर चर्चा कीजिए। साथ ही, इस खतरे से निपटने के लिए हाल के दिनों में की गई पहलों का भी उल्लेख कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Discuss the multiple issues associated with space debris. Also, state the initiatives taken in recent times to tackle this menace. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अंतरिक्ष सम्बन्धी कार्यक्रमों की बढ़ती उपयोगिता तथा अंतरिक्ष की आय अर्जन, राष्ट्रीय गौरव तथा प्रतिस्पर्धा का क्षेत्र बनाने के कारण वृहद मलबा निर्मित हो गया है।

सम्बन्धित मुद्दे !-

(1) विकसित देशों (कुछेक कंपनियों) द्वारा अधिकांश मलबा ~~बना~~

(2) पुराने अंतरिक्ष उपग्रह नये उपग्रहों को क्षतिग्रस्त कर सकते हैं।

(3) अंतरिक्ष स्टेशन को खतरा

(4) पृथ्वी पर गिरने से हानि की आशंका

(5) संचार व सूचना प्रेषण में बाधा डाल सकते हैं।

(6) मलबे के निपटान की रणनीति का अभाव

अंतरिक्ष मलबा हाल के वर्षों में गंभीर चिंता का कारण बना है

इस दिशा में कुछ अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं-

(1) अंतरिक्ष मलबे को नष्ट करने वाले उपग्रह भेजना

(2) अंतरिक्ष मलबे की पहचान करने हेतु सहयोग

(3) मलबे के रूप में स्थापित होने की कम टेक्नोलॉजी उपग्रहों व लॉन्चयानों को बढ़ावा देना

(4) अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग व समन्वय तथा सूचना साझा करने पर बल।

उपर्युक्त कदम प्रारम्भिक स्थिति में हैं। इसके लिए व्यापक योजना व सहयोग की नीति को बढ़ावा देना होगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10. भारत में ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ONDC) को अपनाने से उपभोक्ताओं के लिए ई-कॉमर्स के अधिक समावेशी और सुलभ बनने की संभावना है। चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
The adoption of Open Network for Digital Commerce (ONDC) in India is expected to make e-commerce more inclusive and accessible for consumers. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

ई-कॉमर्स इलेक्ट्रॉनिक साधनों के उपयोग द्वारा किये जाने वाले लेन-देन को कहा जाता है।

बढ़ती तकनीक ने ई-कॉमर्स को बढ़ावा दिया है। Covid-19 के समय से अतिरिक्त उछाल मिला है।

भारत में ओपन नेटवर्क हाल ही तीव्रता से अपनायी जाने वाली तकनीक है जिसका लाभ डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के रूप में हुआ है।

लाभ →
(1) सार्वभौमिक उपलब्धता व पहुँच
(2) स्वच्छ प्रतिस्पर्धा तथा गुणवत्ता स्थापित करने में मददगार।
(3) विविधता पूर्ण वस्तु व सेवा बाजार
(4) वित्तीय लेन-देन, भुगतान आदि में सुगमता

(5) बेहतर विकल्प व चुनने की स्वतंत्रता।
(6) सस्ता तकनीकी प्रसार व डिजिटल डिविडेन्स से सभी का लाभ प्राप्त करने हेतु।

ओएनडीसी के अपनाने में चुनौतियां-
(1) बड़ी कम्पनियों द्वारा स्वामित्व
(2) स्वामित्व व विकेन्द्रीकृत प्रबंध नहीं
(3) साइबर ठगी व डेटा सुरक्षा की चुनौती
(4) भारत की अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कम भागीदारी।

ओपन नेटवर्क के लाभ सभी उपभोक्ताओं तक पहुंच सकेंगे तब इसे सुलभ, सस्ती पहुंच में लाया जा सकेगा तथा समान स्तर की प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित होगी।



उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

11. यद्यपि, हाल ही में "क्षतिकारक" सरकारी मत्स्यन सब्सिडी को रोकने के लिए डब्ल्यू. टी. ओ. के मंच पर एक समझौते पर सहमति बनी है, तथापि, भारत द्वारा उठाई गई कुछ चिंताओं से पता चलता है कि इस मामले में और अधिक वार्ता किए जाने की आवश्यकता होगी। चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

While an agreement was recently reached at the WTO on a deal to curb "harmful" government fisheries subsidies, certain concerns raised by India suggests that the matter will require further negotiations. Discuss. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

विश्व व्यापार संगठन अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार ~~सम्बन्धी~~ नियमों के निर्धारण का सर्वोच्च निकाय है जिसकी स्थापना 1995 में हुई। इसके आदेश बाध्यकारी हैं।

डब्ल्यू-टी-ओ द्वारा सरकार द्वारा दी जा रही मत्स्यन सब्सिडी पर प्रतिबंध लगाने के समझौते के निहितार्थ →

→ भारत मछुआरों की आजीविका सुनिश्चित करने के लिए सब्सिडी देता है

→ मछुआरों को नाव खरीदने, मत्स्यन हेतु सस्ती बीमा, तकनीक व प्रशिक्षण, सहायक ~~सामग्री~~ सामग्री क्रय करने हेतु सब्सिडी देता है।

→ इन देशों द्वारा इसे व्यापार के लिए विभेदकारी बताया गया।

- विश्व व्यापार संगठन प्रत्यक्ष सब्सिडी के विरुद्ध मत रखता है जो अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित करता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

**इस विषय पर भारत की चिंतायें →**

- → मछुआरों की आजीविका का संकट
- → विपदकाल में सहायता की जरूरत
- → गरीबी व कुपोषण के विरुद्ध मदद
- → उपभोग आधारित सहायिकी नहीं व्यापार हेतु
- → कई अन्य देश भी इस प्रकार की मदद करते हैं।

**क्या किया जाना चाहिए -**

1. ऐसी सहायिकी जो आजीविका केन्द्रित है उसे लागू रखना सुनिश्चित करना
2. सहायिकी को अधिक लक्षित करना
3. विश्व व्यापार संगठन के सामने उचित परिप्रेक्ष्य में तथ्य रखना
4. सम्बन्धित राष्ट्रों से वार्ता करना
5. गरीबी, बेकारी, कुपोषण, सतत विकास लक्ष्यों जैसे मुद्दों पर सहमति बनाना,

विश्व व्यापार संगठन द्वारा प्रस्तावित समझौता भारतीय ~~मछुओं~~ मछुआरों के जीवन पर घातक असर डालेगा तथा उन्हें निम्न आय पर रहने को मजबूर करेगा अतः दीर्घ व्यापक वार्ता द्वारा समाधान किया जाना चाहिए।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

12. सड़क निर्माण क्षेत्रक में हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल (HAM) से जुड़े लाभों के बावजूद, विभिन्न कारणों से इसमें रुचि कम हुई है। विवेचना कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Despite the advantages that are associated with the hybrid annuity model (HAM) in the road construction sector, the interest in it has moderated due to various reasons. Discuss. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सरकार अवसंरचना विकास हेतु पीपीपी को अपनाने पर बल दे रही है इसी क्रम में विभिन्न मॉडल लाये आये हैं। इनमें से एक है : हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल।

हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ाता है। इसमें निर्माण संचालन तथा हस्तांतरण की प्रक्रिया शामिल है। इसमें निजी व सार्वजनिक क्षेत्र मिलकर राशि निवेश करते हैं। निश्चित अनुपात में निर्धारित धन इनके उत्तरदायित्वों में छोड़ा जाता है तथा निर्माण में शीघ्रता आती है।

HAM के लाभ :-

① निजी क्षेत्र वित्त के लिए चिंतित नहीं रहता है उसे सरकारी वित्त मिल जाता है

② सरकारी नियमन में सरलता का लाभ
③ परियोजनाएं शीघ्रता से पूरी होती है।
④ निजी व सार्वजनिक दोनों का उत्तरदायित्व होने से जवाबदेही स्थापित करना
⑤ लेखांकन प्रक्रिया जटिल होती है।
⑥ बड़े प्रोजेक्ट में महत्वपूर्ण।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए • Candidates must not write on this margin

हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल की चुनौतियां→

① निजी क्षेत्र में अधिक उत्साहित नहीं हो पाया क्योंकि लाभ व उत्तरदायित्व जोखिम जुड़े है।
② सार्वजनिक कार्यप्रणाली संबंधी चुनौतियाँ है—
कठोरता, वित्तप्रबंधन, नौकरशाही
③. भूमि अधिग्रहण संबंधी चुनौती,
[अन्य चुनौतियां: बैंक जोखिम, स्थापना नहीं, पुनर्वास व पुनर्वास संबंधी चिंता]

(5) दीर्घकालीन लाभों की पहचान होगा।

हाइब्रिड एन्युटी मॉडल को प्रभावी बनाने के लिए जरूरी है कि-

(1) इनको वृहद परिप्रेक्ष्य में लागू करना
(2) निजी लोगों के लिए आकर्षक बनाने के लिए इसके ढांचे में बदलाव का अधिक लचीलापन देना
3) प्रक्रियागत बाधायें दूर करना
4) भूमि बैंक की स्थापना करना
5) लाभों का हस्तांतरण निम्न था।

हाइब्रिड एन्युटी मॉडल को अन्य पीपीपी मॉडल की तुलना में अधिक लोकप्रिय बनाने के लिए कानूनी, प्रक्रियागत व व्यावहारिक बाधाओं को दूर करना होगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

13. मौजूदा एम. एस. पी. खरीद व्यवस्था न तो आर्थिक दृष्टि से और न ही कृषि-पारिस्थितिकी रूप से संधारणीय है। सविस्तार वर्णन कीजिए। साथ ही, मौजूदा एम. एस. पी. व्यवस्था में सुधार के लिए अपनाए जा सकने वाले वैकल्पिक तरीकों का मूल्यांकन कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

The existing MSP procurement regime is neither economically nor agro-ecologically sustainable. Elaborate. Also, evaluate the alternative approaches that can be adopted to improve the existing MSP regime. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

न्यूनतम समर्थन मूल्य :- वह न्यूनतम मूल्य जिस पर सरकार किसानों से फसलों की खरीद करती है।

सरकार न्यूनतम मूल्य पर क्रय कर सकती है उससे कम मूल्य पर नहीं।

सरकार समय-2 पर मूल्य व लागत आयोग की सिफारिश पर फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करती है। प्रमुख फसलें गेहूं, चावल, गन्ना, दालें, तिलहन आदि हैं।

व्यवस्था
न्यूनतम समर्थन मूल्य की कमियां →

(i) विस्तार व पहुंच का मुद्दा → सीमित फसलों पर लागू; क्षेत्रीय असंतुलन; असमान खरीद प्रक्रिया (पंजाब हरियाणा व कुछ तक सीमित)

(ii) कृषि प्रतिरूप को नकारात्मक रूप से प्रभावित करना →

→ किसान अधिक मूल्य वाली फसलें उगाते हैं, भले ही वे पहनीय नहीं हो।
→ पोषण की बजाय लाभ पर बल
→ अत्यधिक कृषि आदानों का उपयोग करना

③ कृषि पारिस्थितिकी पर नकारात्मक प्रभाव →

- अधिक सिंचाई वाली फसलें लेना जैसे गेहूं व गन्ना का उत्पादन - क्योंकि MSP मिलती है
- अत्यधिक उर्वरक, रासायनिक बीज व कीटनाशकों का उपयोग कर लाभ कमाने का प्रयास करना
- स्थानीय पारिस्थितिकी का ह्रास
- गौण फसलों का उत्पादन नहीं
- मृदा की उर्वरता की समाप्ति
- पशुओं पर प्रभाव

④ अत्यधिक आर्थिक भार =>

- राजकोष पर व्यय
- परिवहन, क्रय, भंडारण व वितरण पर व्यय
- अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा में कमी

⑤ कृषकों के लिए नकारात्मक प्रभाव - मंडी प्रणाली द्वारा व्यापार की स्वतंत्रता नहीं, बिचौलियों का हस्तक्षेप।

वैकल्पिक रणनीति ?

① बाजार हस्तक्षेप करना - प्रतिस्पर्धा विकसित करना

② खरीद प्रणाली में बदलाव - विकेन्द्रीकरण व विविधिकरण करना

③ निवेश आधारित सहायकी देना और मशीनीकरण आधुनिकीकरण

④ बिजली, उर्वरक, कीटनाशक, सिंचाई पर रियायतों का तार्किकीकरण करना

⑤ ई-नेम में पंजीकरण करवाने पर बल देना

⑥ न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी प्रदान करना ताकि खरीद सुनिश्चित हो

⑦ भंडारण, परिवहन, प्रसंस्करण आदि में निवेश

⑧ निजी क्षेत्र व विदेशी संघटकों को शामिल करना

⑨ संविदा खेती को बढ़ावा देना।

न्यूनतम समर्थन मूल्य व्यवस्था राजकोष पर अतिरिक्त व्यय डालती है जिसका लाभ सभी तक नहीं पहुंचता इसलिए व्यापक बदलाव कर किसानों की उपज का सही व मूल्य मिलना सुनिश्चित करना होगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

14. यह तर्क दिया जा रहा है कि भारत गोदामों में खाद्यान्नों की अधिकता से जूझ रहा है। भारत की मौजूदा बफर स्टॉक नीति को ध्यान में रखते हुए इस कथन की विवेचना कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
It is being argued that India is struggling with overflowing foodgrains in warehouses. Discuss the statement in view of the existing buffer stock policy of India. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत न्यूनतम मूल्य पर खाद्यान्नों का क्रय करता है तथा उसे भारतीय खाद्य निगम के भंडारों में रखता है। जिसे निर्गत किया जाता है।

भारत में खाद्यान्न भण्डारण बफर स्टॉक नीति है जो मुख्य खाद्यान्नों जैसे गेहूँ व चावल के भंडारण की न्यूनतम/उच्चतम मात्रा निर्धारित करती है।

बफर स्टॉक किसानों से खरीदी गई मात्रा को तब तक रोके रखने का कार्य करता है जब तक उसे बाजार या पीडीएस के लिए वितरित नहीं किया जाता।

गोदामों में खाद्यान्नों की अधिकता के कारण –)

1) न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने की बाध्यता के कारण उच्च मात्रा में खरीद करना।

2) सरकारी योजनाओं के लिए आपूर्ति के लिए भंडारण करने की आवश्यकता

3) बिचौलियों व किसान संगठनों द्वारा खरीद करने को लेकर दबाव बनाने के कारण सरकारी द्वारा अधिक खरीद

4) आपद काल में खाद्यान्नों की कमी की आशंका के चलते अधिक खरीद।

5) गोदामों में भण्डारित अनाजों का समय पर निस्तारण नहीं होना।

6) मांग आपूर्ति की तुलना में अधिक

8) खाद्य निगम के पास भंडारण क्षमता सीमित

7) खराब हुए खाद्यान्नों का गोदामों में पड़े रहना

9) प्रशासनीय नीति निर्माण में त्रुटि के कारण पर्याप्त वितरण नहीं।

10) राज्य सरकारें व अन्य एजेन्सी समय पर अपना कोटा नहीं उठाती

11) अवसंरचना, पूंजी, मानव संसाधन की कमी



उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खाद्यान्न भंडारों की अधिकता के समाधान हेतु कदम →

1) खरीद नीति में बदलाव करके सीमित करना
2) किसानों व व्यापारियों को सीधे भंडारों से अनाज खरीदने का विकल्प देना
3) भंडारण क्षमता का विकास, अनाज को खराब होने से बचाने के लिए कोल्ड स्टोरेज, फूड पार्क आदि बनाना
4) सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार लाना तथा निर्धारित वितरण सुनिश्चित करना
5) बाजार में हस्तक्षेप का अवसर प्रदान करना
6) स्टॉक सीमा को बनाना।
7) अधिकता पर निर्यात का विकल्प देखना।

खाद्यान्न सुरक्षा के लिए बफर स्टॉक की व्यवस्था जरूरी है लेकिन रिसाव को रोकने तथा उचित मूल्य पर वितरण के लिए विनियामक ढांचे में बदलाव करना, विकेन्द्रीकृत भंडारण प्रणाली अपनाना जरूरी है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

15. हाल ही में, सरकार ने सभी पत्तनों (पोर्ट्स) को वर्ष 2047 तक स्वयं को 'मेगा पोर्ट्स' के रूप में विकसित करने के लिए एक मास्टर प्लान तैयार करने हेतु निर्देश दिया है। इस परिप्रेक्ष्य में, पत्तनों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों पर चर्चा कीजिए और साथ ही, भारत की ब्लू इकॉनमी को आगे बढ़ाने के लिए उपचारात्मक उपायों का सुझाव दीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Recently, the government has asked all ports to prepare a master plan in order to become 'mega ports' by 2047. In light of this, discuss the challenges faced by ports and suggest remedial measures in order to propel India's blue economy. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत की 7500 किमी लम्बी समुद्री सीमा है जहां कृत्रिम व प्राकृतिक बंदरगाह समुद्री व्यापार, समुद्री सुरक्षा व मत्स्यन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

भारत के बंदरगाहों व समुद्री अर्थव्यवस्था के विकास हेतु प्रयास की कार्यक्रम चलाये गये जैसे सागरमाला प्रबंध (2003), मैरिन इंडिया (2013) व, समुद्री सुरक्षा योजना (2005) तथा सागरमाला 2 (2014)।

अभी भी भारत के बन्दरगाह विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा में पिछड़े हैं क्योंकि→

1) नीतियों में एकरूपता का अभाव - बार-बार नीतियां बदलना

2) बन्दरगाह विकास परियोजनाओं की धीमी प्रगति। 2014-2020 तक ~~केवल 60%~~ 40% प्रगति हुई है। सागरमाला भी 10% तक ही हो सकी

3) राज्य सरकारों द्वारा पर्याप्त कार्य नहीं होना

4) समुद्री जहाज पुराने तथा प्रतिस्पर्धी नहीं

5) प्राकृतिक बाधायें जैसे तूफान, चक्रवात कार्य मे व्यवधान डालते है

6) प्राकृतिक बन्दरगाहो की कमी।

7) ~~प्रशासनिक लेटलतीफी~~

8) ~~निजी क्षेत्र की सीमित भागीदारी~~

9) बन्दरगाहो का पृष्ठीय प्रदेशों से कमजोर जुड़ाव - रेलवे, सड़क आदि

भारत की समुद्री सुरक्षा, वैश्विक नौवहन व्यापार तथा ब्लू इकोनोमी के लाभों को प्राप्त करने के लिए बन्दरगाह प्रबंधन जरूरी हो इसी परिप्रेक्ष्य मे 'मेगा पोर्ट' विकसित करने की योजना तैयार की जा रही है -

1) पतनों व बन्दरगाहो मे अवसंरचनात्मक विकास करना -

2) पृष्ठ प्रदेशों मे अवसंरचना विकसित करना

3) निजी व विदेशी निवेशको की भागीदारी बढ़ाना

4) जहाजों का आधुनिकीकरण, व स्वदेशीकरण



उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5) केन्द्र-राज्य सहयोग बढ़ाना
6) डीप ओशन मिशन पर बल देना
7) मछुआरों को सशक्त बनाना तथा मत्स्यन को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का बनाना
8) पड़ोसी राष्ट्रों के साथ सहयोग करना
9) समुद्री संसाधनों के दोहन के लिए राष्ट्रीय योजना निर्मित करना तथा अनुरूप वित्तीय तंत्र स्थापित करना
10) ~~प्रगति~~ योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना
11) बड़े व छोटे बन्दरगाहों का एकीकृत प्रबंधन
12) तटीय क्षेत्र प्रबंधन व तटीय आर्थिक क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देना।

बंदरगाह प्रबंधन ब्लू इकोनोमी का महत्वपूर्ण घटक है इसलिए सागरमाला व विभिन्न पत्तनों को जोड़ना, बंदरगाहों को हवाई कनेक्शन देना, निवेश बढ़ाना तथा तकनीकी सक्षम माहौल को बढ़ाना जरूरी है।



उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

16. आय और संपदा में असमानता कार्बन असमानता में परिवर्तित हो जाती है। इस संदर्भ में, भारत के लिए कार्बन असमानता को दूर करने के महत्व पर चर्चा कीजिए और इसे प्राप्त करने के उपायों का सुझाव दीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Inequality in income and wealth translates into carbon inequality. In this context, discuss the significance of addressing carbon inequality for India and suggest ways to achieve it. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत मे आय की असमानता व्याप्त है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट के अनुसार कुल आय का 70% केवल 1% लोगों के पास है वही निचले 52% लोगों के पास केवल 1% है।

आय व सम्पदा की असमानता विभिन्न दुष्प्रभाव उत्पन्न करती है उनमे से है कार्बन असमानता।

→ निम्न आय वर्ग के पास ईंधन के पिछड़े स्रोत। लकड़ी, कोयला, सरकण्डे। जो कार्बन उत्सर्जन करते है लेकिन उच्च आय वर्ग वाले विलासिता सामग्री का उपयोग करते है जिससे निम्न आय वर्ग की तुलना में अधिक कार्बन उत्सर्जन होता है।

→ निम्न आय वर्ग सीमित संसाधनों पर निर्भर जबकि उच्च आय वर्ग अधिक संसाधनों का उपयोग करता है इसलिए कार्बन उत्सर्जन अधिक।

→ निम्न आय व मध्यम वर्ग कार्बन उत्सर्जन के परिणामों से सर्वाधिक प्रभावित होता है। कम उत्सर्जन होने के बावजूद सर्वाधिक प्रभावित जैसे - जलवायु परिवर्तन के कारण आई प्राकृतिक आपदाओं का सर्वाधिक प्रभाव निम्न आय वर्ग पर। उच्च आय वर्ग अपनी क्षमता के कारण इन प्रभावों के प्रति क्षमता निर्माण कर लेता है।

→ निम्न आय वर्ग के संसाधनों पर उच्च आय वर्ग का अधिकार हो जाने से अपवंचन बढ़ता है फलतः कार्बन प्रभावों से लड़ने की क्षमता में कमी आ जाती है।

उच्च आय वर्ग व निम्न आय वर्ग की असमानता से उत्पन्न कार्बन असमानता का महत्व →

1) निम्न वर्ग की आजीविका पर संकट
2) प्राकृतिक आपदाओं के प्रति सुभेद्यता
3) वैश्विक तापन से स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव



उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4) निम्न वर्ग के पास लड़ने की क्षमता कम
5) उच्च वर्ग इसके जिम्मेदार लेकिन प्रभावित कम।

इस असमानता को कम करने के उपाय -)
1) निम्न आय वर्ग व उच्च आय वर्ग की आय असमानता में कमी लाना
2) पर्यावरणीय निम्नीकरण वाले प्रभावों से लड़ने में निम्न आय वर्ग को सहायता, क्षमता निर्माण व तकनीकी हस्तांतरण
3) कम उत्सर्जन तकनीकों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहन
4) प्रतिमानी कर प्रणाली लागू करना
5) उच्च आय वर्ग द्वारा मानवीय सहायता व त्याग की पहल)

आय वर्ग की असमानता व कार्बन असमानता वैश्वीकरण अपनाये जाने के बाद बढ़ी है इसलिए इसे कम करने के लिए समावेशी विकास, सतत विकास लक्ष्य व सहभागी शासन प्रौद्योगिकी का उपयोग करने पर बल देना चाहिए।



उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

17. भारत में पिछले एक दशक के दौरान भूस्खलन की बढ़ती और नियमित घटनाओं के बावजूद, विकास के प्रमुख प्रतिमानों (पैरडाइम) में कोई मुख्य संशोधन नहीं किया गया है। परीक्षण कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Despite increased and regular occurrences of landslides over the past decade in India, the dominant development paradigm has largely not been modified. Examine. (Answer in 250 words)15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

ऊँचे पहाड़ी भागों या चट्टानों का गुरुत्वीय ढलान के साथ खिसककर नीचे आना भूस्खलन कहलाता है। भारत का 6.8% भू-भाग भू-स्खलन से प्रभावित है। इनमें हिमालयी क्षेत्र व पश्चिमी घाट प्रमुख है।

भूस्खलन के कारण -

1) विवर्तनिकी घटनाएँ - भूकम्प, ज्वालामुखी एवं विवर्तनिकी
2) तीव्र वर्षा, बादल का फटना
3) प्राकृतिक वनस्पति कमी अवरोधों की कमी
4) मानवीय गतिविधियों के कारण पहाड़ों को खोखला करना
5) विस्फोट जैसी घटनाएं।

भू-स्खलन के निपटने की रणनीतियाँ →

1/ संवेदनशील स्थलों का मानचित्रण तथा सूचना तंत्र का निर्माण करना।

2/. प्राकृतिक अवरोधक के रूप में वृक्षारोपण निरोध्य क्षेत्र बनाना।

3/ आपदा पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित करना।

4/ सुरक्षित स्थलों का निर्माण व प्रवाह

5/ राहत व बचाव दलों को सुदृढ़ करना।

भू-स्खलन की घटनाएं हाल के वर्षों में तीव्रता से बढ़ी है लेकिन क्रियात्मक ढांचे व तकनीकी बदलावों में तीव्रता नहीं लाई जा सकी है इसलिए निम्नलिखित नवाचार लागू करने चाहिए

1) सुदूर-संवेदन तकनीक, उपग्रह फोटोग्राफी ड्रोन जैसी तकनीकों का उपयोग करना।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2) भूस्खलन हेतु विशिष्ट योजना बनाना जिसे वैधानिक मान्यता हो।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3) आपदा प्रबंधन दलों को विशिष्ट प्रशिक्षण देकर नियोजित करना

4) स्थानीय प्रशासन, आईटीबीपी बल तथा सेना के साथ प्रत्येक 6 माह में नियमित बैठक करना

5) पर्वतों के संधारणीयता को ध्यान में रखते हुए विकास कार्य करने के लिए एक व्यापक दिशा-निर्देश हो जिसका पालन अनिवार्य हो

6) सामुदायिक भागीदारी प्रबंधन को बढ़ाना

भूस्खलन एक चुनौती है केदारनाथ यात्रा के दौरान अभी इस हादसे ने प्रबंधन की कमजोरी को उजागर किया है अतः समुचित बदलाव लाकर प्रबंधन पर बल देगी

18. राष्ट्रीय सुरक्षा हितों के साथ वैध सीमा-पार प्रवाह को संतुलित करने के लिए भारत को एक स्मार्ट सीमा प्रबंधन प्रणाली की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए। साथ ही, इस संबंध में सरकार द्वारा प्रारंभ की गई पहलों को रेखांकित कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

India needs a smart border management system to balance legitimate cross border flows with national security interests. Discuss. Also, highlight the initiatives taken by the government in this regard. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत स्थलीय (15200) व समुद्री (7516) सीमा रखता है साथ ही पड़ोसी राष्ट्रों तथा गैर राज्य अभिकर्ताओं द्वारा सीमा प्रबंधन को वैज्ञानिक बनाने की आवश्यकता को उजागर किया है।

सीमा प्रबंधन में चुनौती →

1) अस्पष्ट व विवादित सीमा

| | | |
|---|---|---|
| सीमा निर्धारण विवाद भारत-चीन, नेपाल, पाक म्यांमार | प्राकृतिक अवरोध के कारण प्रबंधन नहीं रेगिस्तान, दलदल, पहाड़, नदियां आदि. | स्थानीय जातीय तत्वों ने उत्पन्न करने सीमा प्रबंधन की चुनौती |

2) सरकारी उपेक्षा - लंबे समय तक बाड़-बन्दी नहीं की गई।

3) गैर राज्य अभिकर्ताओं द्वारा हस्तक्षेप - तस्करी (मानव, मादक पदार्थ, हथियार)

③ सीमा पार घुसपैठ, आतंकवाद, उग्रवाद, स्वायत्तता की मांग करने वाले समूहों के कार्य गठजोड़।

④ पड़ोसी राष्ट्रों के साथ संबंध - कुछ क्षेत्र विवादों को हवा देते है, सीमा प्रबंधन में सहयोग नहीं करते

5) तकनीक का सीमित उपयोग।

सरकार द्वारा सीमा प्रबंधन के लिए व्यापक दृष्टिकोण अपनाया गया है -

(1) सीमान्त क्षेत्रों में अवसंरचना विकास - BRO द्वारा सड़क निर्माण, दोलत बेग ओल्डी रेलवे अवसंरचना,

2) सीमान्त क्षेत्रों में नागरिकों का सशक्तिकरण - चीन सीमा पर जीवन्त ग्राम कार्यक्रम सीमा प्रबंधन योजना (पाकिस्तान सीमा पर) नागरिकों को सूचना तंत्र के रूप में शामिल करना -

3) सीमा पर बाड़बंदी - पाकिस्तान, बंगलादेश क्षेत्र में बाड़बन्दी



उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4) सीमा विवाद समाधान हेतु समझौता
भारत - बांग्लादेश

5) उच्च स्तरीय वार्ता मंडल
भारत - चीन, भारत - नेपाल
भारत - पाकिस्तान

6) पारस्परिक सहयोग व विश्वास बहाली

7) सशक्त सेनाओं का नियोजन

9) तकनीक का प्रयोग - लेजर, ड्रोन, स्मार्ट
ड्रोन मिसाइल, रोशनी, ~~बिजली करंट~~,
सैटेलाइट्स आदि

सीमा प्रबंधन से आगे बढ़ते हुए
सीमा प्रबंधन तक ले जाना होगा तभी
भारत की आंतरिक सुरक्षा व सीमा की
सुरक्षा निश्चित होगी



उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

19. वैश्वीकरण और धन शोधन के बीच संबंध स्थापित करते हुए, इससे निपटने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रारंभ की गई पहलों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Establishing linkages between globalisation and money laundering, discuss the initiatives taken at the national and international levels to combat it. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वैश्वीकरण व धन शोधन में linkage

1) अन्तर्राष्ट्रीय धन शोधन संगठनों की भूमिका बन रहि है

2) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा लेन-देन तथा विनिमय केन्द्रों द्वारा धन शोधन को बढ़ावा

3) काला धन विदेशी बैंकों मे जमा करना

4) क्रिप्टोकरेंसी द्वारा धन शोधन करना

5) संगठित अपराधों के अन्तर्राष्ट्रीय गठजोड़ द्वारा धनशोधन

6) साइबर फिरौती द्वारा धनशोधन

7) साइबर अपराध द्वारा धनशोधन

पहले :-

1) FATF बनाना - जो आतंक के लिए धन ~~शोधन~~ पोषण को रोकने का कार्य करता है।

2) अन्तर्राष्ट्रीय सूचना साझाकरण मंचों का निर्माण ताकि समय पर सूचना मिल सके।

3) द्विपक्षीय व बहुपक्षीय समझौते

4) मनी लॉन्ड्रिंग को अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद के रूप में देखने का प्रयास

5) अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं तथा बैंकों में पारदर्शिता व सूचना साझाकरण

6) देशों का आपसी सहयोग व अपराधी को पकड़ने का तंत्र बनाना।

यद्यपि सकारात्मक परिणाम का नियामक ढांचे के अभाव के कारण धन शोधन से निपटने में चुनौतियाँ आरही हैं

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

20. ऐसे तर्क दिए गए हैं कि भारत को बाह्य अंतरिक्ष की प्रकृति के बारे में अपनी कुछ पुरानी धारणाओं की समीक्षा करने और नए वैश्विक मानदंडों के विकास में योगदान देने की आवश्यकता है। इस संदर्भ में, आर्टेमिस समझौते के संदर्भ में भारत के दृष्टिकोण का विश्लेषण कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
There have been arguments that India needs to review some of its past assumptions about the nature of outer space and contribute to the development of new global norms. In this context, analyse India's stand in relation to the Artemis Accords. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में एक शक्ति के रूप में उभर रहा है, इसमें अभी तक चाँद व मंगल के लिए अभियानों पर जोर दिया है लेकिन बाह्य अंतरिक्ष के संदर्भ में नीति में बदलाव लाना है।

आर्टेमिस समझौते द्वारा विश्व के देश बाह्य अंतरिक्ष अभियानों में भागीदारी करते हैं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

## SPACE FOR ROUGH WORK

AL